पूसा कृषि विज्ञान मेले की दूसरे दिन की प्रेस विज्ञप्ति - **2021**

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं**,** नई दिल्ली 110012

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली के पूसा कृषि विज्ञान मेला - 2021 का दिनांक 25 से 27 फरवरी , 2021 तक तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मेले के दौरान किसानों की सुगमता के लिए तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। मेले का आयोजन भारत सरकार द्वारा जारी सोशल डिस्टेंसिंग व अन्य कोविड -19 दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए किया जा रहा है। दूसरे दिन का पहला सत्र "उच्च उत्पादन और लाभप्रदता के लिए उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों" पर था , जहां उच्च उत्पादन और मुनाफे के लिए बेहतर फसल उत्पादन प्रौद्योगिकियों, बेहतर सब्जी, फल और फूल उत्पादन प्रौद्योगिकियों तथा संरक्षित खेती और हाइड्रोपोनिक्स प्रौद्योगिकी सहित अलग -अलग विषयों पर विषयविशेषज्ञों द्वारा विभिन्न व्याख्यान दिए गए। भा.कृ.अनु.प. के पूर्व सहायक महानिदेशक डॉ जे.पी. टंडन इस सत्र के अध्यक्ष थे।

लोकसभा की सदस्य सुश्री मिनाक्षी लेखी की अध्यक्षता में “महिला सशक्तिकरण” सत्र का आयोजन किया गया। नई शिक्षा नीति: महिला सशक्तिकरण, कृषि में उद्यमिता योजनाएं , बायोफोर्टिफिकेशन के माध्यम से पोषण, महिला उद्यमिता, कृषि में युवाओं के लिए अवसर महिला सशक्तिकरण सत्र की प्रमुख चर्चाएं थीं। श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने कहा कि कृषि में महिला सशक्तिकरण तभी संभव है जब महिलाओं को महिलाओं में दक्षता विकसित की जाए चाहे वह ट्रैक्टर चलाने की रूप में हो या खेती किसानी के लिए किसी और मशीनरी का इस्तेमाल करने के लिए हो उन्होंने कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी जिक्र किया और कहा यह महिलाओं का सशक्तिकरण करने के लिए बहुत उपयोगी है साथ ही साथ भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के द्वारा विकसित सन fridge टेक्नोलॉजी की भी सराहना की और कहा कि सभी किसानों को इस तरह की कम कीमत वाली प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करना चाहिए ताकि उनकी उपज ज्यादा दिन तक तरोताजा रहे।

एन.आर.एम, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली के उप महानिदेशक डॉ एस.के. चौधरी की अध्यक्षता में , "प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और मूल्य वर्धन के लिए प्रौद्योगिकी" सत्र संपन्न हुआ। सत्र के दौरान नवोन्मेषी किसानों ने अपने अनुभवों को साझा किया और टिकाऊ प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन , जैव उर्वरक और पादप पोषण, मृदा उर्वरता प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल के लिए कृषि यंत्रीकरण पर प्रकाश डाला गया।

मेले के दौरान किसानों ने नई फसल किस्मों के लाइव प्रदर्शन , सब्जियों और फूलों की संरक्षित खेती के प्रदर्शन और आईएआरआई , आईसीएआर संस्थानों तथा निजी कंपनियों द्वारा विकसित कृषि उपकरणों की प्रदर्शनी और बिक्री पर अपनी रुचि दिखाई। इसी तरह से , किसान उन्नत किस्मों के बीज और पौधों की बिक्री तथा मृदा और पानी के नमूनों के निशुल्क परीक्षण से काफी खुश थे। इसके अलावा कृषि उत्पादों और कृषि रसायनों का प्रदर्शन और बिक्री , उन्नत सिंचाई विधियों का प्रदर्शन, नवोन्मेषी किसानों द्वारा विकसित उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री ने भी जनसमूह को आकर्षित किया।

भा.कृ.अनु.सं.कृषि सलाहकार सेवाएं , विषयगत पंडाल में नई तकनीकों का प्रदर्शन, किसान-वैज्ञानिक पारस्परिक विचार -विमर्श, कृषि साहित्य का मुफ्त वितरण, पुष्प प्रदर्शनी, सब्जी की खेती और किचन गार्डनिंग प्रदर्शन , अवशेष पुन:चक्रण तकनीक, पूसा फार्म सन फ्रिज इस आयोजन के अन्य मुख्य आकर्षण थे।